

हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 10 अगस्त 2026

11

खिलाडियों का कोर्ट पर धमाल, हिंदू पब्लिक स्कूल ने जीते स्वर्ण पदक

12

कांवड़ियों की सुरक्षा में फतेहाबाद पुलिस का 'शी लेंयर' पहरा

खबर संक्षेप

घर के पास हेरोइन बेचने की फिराक में थी महिला फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक महिला आरोपी को 6.30 ग्राम चिट्ठा के साथ रंगे हाथों काबू किया है। पकड़ी गई आरोपी महिला की पहचान बिन्दू पत्नी बलवीर सिंह, निवासी नन्हेड़ी, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी निरीक्षक साधु राम ने बताया कि पुलिस चौकी कुलां की टीम गांव जाबनाखड़ा घुस अड्डे के पास गश्त व अपराध जांच पर तैनात थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि नन्हेड़ी निवासी बिन्दू हेरोइन बेचने का अवैध कारोबार करती है और अपने घर के आसपास किसी ग्राहक को नशीला पदार्थ सप्लाई करने की फिराक में है।

जानलेवा हमला करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार फतेहाबाद। पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसकी हत्या करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान विजयनाथ पुत्र चंदन नाथ, निवासी पन्नीवाला मोटा, जिला सिरसा के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि 5

कंडम बस से बैटरी चोरी का आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। हरियाणा रोडवेज सिरसा की वर्कशॉप से कंडम बस से बैटरी चोरी की वारदात का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा बैटरी भी बरामद कर ली है। आरोपी की पहचान सिरसा राजकुमार के रूप में हुई है। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने बताया कि रोडवेज विभाग के कर्मचारी की शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया था कि रोडवेज वर्कशॉप परिसर में खड़ी कंडम बस से बैटरी चोरी हो गई। पुलिस ने जांच शुरू करते हुए आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ संदिग्ध लोगों से पूछताछ की।



फतेहाबाद। जाखल में हुई बैठक में भाग लेते किसान। फोटो: हरिभूमि

15 अगस्त को जाखल बंद का ऐलान, रेलवे फाटक खुलवाने की मांग पर काले झंडों से रोष प्रदर्शन

फतेहाबाद। फतेहाबाद जिले के जाखल में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर किसानों, व्यापारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा काले झंडे लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। रेलवे ऑवरसिज के नीचे बंद पड़े रेलवे फाटक को दोबारा खुलवाने की मांग को लेकर सर्वसम्मति से जाखल बंद का ऐलान किया गया है। इस दौरान आंदोलनकारी काले झंडे

हाथ में लेकर प्रदर्शन करते हुए काला दिवस मनाएंगे। यह निर्णय रविवार को जाखल अनाज मंडी में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया, जिसमें किसानों, व्यापारियों, आदितियों, मजदूरों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में आरओबी के नीचे फाटक बंद होने से पैदा हुई आवागमन की गंभीर समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

धर्म-कर्म पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त सुबह शुरू होकर 28 अगस्त सुबह तक रहेगी, भद्रा सूर्योदय से पहले खत्म

28 अगस्त को मनेगा रक्षाबंधन, सुबह 5:57 से राखी बांधने का शुभ समय, चंद्र ग्रहण का भारत में असर नहीं

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन इस बार तारीख और चंद्र ग्रहण को लेकर खास चर्चा में है। सावन मास की पूर्णिमा तिथि दो दिन पड़ने के कारण लोगों में असमंजस है कि आखिर रक्षाबंधन 27 अगस्त को मनाया जाए या 28 अगस्त को। हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार रक्षाबंधन का मुख्य पर्व 28 अगस्त शुक्रवार को मनाया जाएगा।

प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे शहरवासी

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद।

शहर में बंदरों का आतंक धमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन बंदर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ताजा मामला शहर के वार्ड नंबर-2 स्थित डेरेवाला मोहल्ले से सामने आया है, जहां एक खूंखार बंदर ने बुजुर्ग महिला पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले में महिला के कान पर गंभीर चोट आई है। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने उन्हें नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों को जख्म पर 6 टांके लगाने पड़े। रविवार को हुई इस वारदात के बाद से पूरे मोहल्ले में दहशत और खौफ का माहौल बना हुआ है। दरअसल नगरपरिषद में आवारा पशु व बंदरों को लेकर हालात यह हैं कि 'टेंडर हो गया', 'एजेंसी नहीं आई', 'टेंडर रद्द हो गया', 'टेंडर रिकॉल किया जाएगा', 'टेकेदार भाग गया' का खेल ही खेला जा रहा है। वास्तव में जमीनी स्तर पर चाहे आवारा पशु हो या बंदर, शहर में इनकी भरमार है।

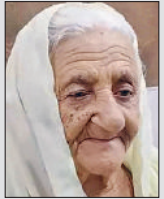
फतेहाबाद में बंदर पकड़ने के नाम पर नप में 'खेला'

► कुछ माह पहले अमियान चला तो लोगों को मिली थी राहत, लेकिन अब टीम बुलाने के नाम पर बंदर पकड़ने का काम पूरी तरह बंद

► बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की जान जोखिम में नई टीम को तुरंत मैदान में उतारने की मांग

बुजुर्ग महिला पर बंदर ने किया हमला, कान पर लगे छह टांके

आज की घटनाक्रम में घायल महिला भगवान देवी ने बताया कि, रविवार सुबह वह छत पर सूख रहे कपड़े उतारने के लिए गई थीं। परिवार के अन्य सदस्य उस समय नीचे मौजूद थे। वह कपड़े उतार ही रही थीं कि आसपास की छतों पर अचानक बंदरों का झुंड आ गया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पातीं, झुंड में शामिल एक बंदर ने उन पर हमला कर दिया। बंदर ने उनके कान को बुरी तरह नोच दिया। अचानक हुए हमले से वह घबरा गई और उनके कान से खून बहने लगा। महिला ने शोर मचाया तो परिवार के लोग ऊपर आने लगे। लोगों की आवाज सुनकर बंदर वहां से भाग गया। इसके बाद भगवान देवी ने



नीचे आकर परिजनों को पूरी घटना बताई। परिजन उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के दौरान कान पर छह टांके लगाए और रेबीज से बचाव के लिए एंटी-रेबीज टीका लगाया। नगर पार्श्व मोहन लाल नारंग ने स्थिति पर चिंता जताते हुए बताया कि शहर के अनेक वार्डों में दिन-रात बंदरों के कई झुंड घूमते रहते हैं। हालत यह हो चुकी है कि लोगों का अपने घर के आंगन में बैठना, छतों पर घुमना और गलियों में चलना तक दूभर हो गया है। अगर कोई व्यक्ति हाथ में कोई सामान या खाने-पीने की चीज लेकर निकलता है, तो बंदर तुरंत उस पर झपट पड़ते हैं। इस विकराल होती समस्या को लेकर नगर परिषद के समक्ष बार-बार गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई स्थाई समाधान नहीं निकला है।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी

11 तक नहीं उठेगा शहर का कचरा डोर-टू-डोर वाहन भी रहेंगे बंद



हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

हरियाणा सरकार के टालमटोल रवैये से नाराज नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को चौथे दिन भी लगातार जारी रही। कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल को 11 अगस्त तक आगे बढ़ा दिया है, जिसके चलते अब अगले कुछ दिनों तक शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप रहेगी और डोर-टू-डोर कचरा उठाने वाले वाहन भी बंद रहेंगे। रविवार को हड़ताल के चौथे दिन नगर परिषद परिसर में धरना देते हुए कर्मचारियों ने

जेल भरो आंदोलन का समर्थन करेंगे

यूनियन नेताओं ने कहा कि 1 से 14 गई तक चली हड़ताल के दौरान सरकार ने 13 मई को 22 सूचीय मांगों में से 17 मांगों पर अपनी सहमति जताई थी, लेकिन आज तक उन पर अमल नहीं किया गया। इसके बाद 29 जुलाई और 5 अगस्त को वार्ता के लिए बुलाया तो गया, नगर कोई नतीजा नहीं

निकला। मजबूरन कर्मचारियों को पहले 6 से 8 अगस्त और अब इसे बढ़ाकर 11 अगस्त तक हड़ताल करने का कदम उठाना पड़ा। कर्मचारी नेताओं ने ऐलान किया कि संघ 10 अगस्त को अन्य सभी जनसंगठनों के साथ मिलकर जेल भरो आंदोलन का पूर्ण समर्थन करेगा।

सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हड़ताल की अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान नरेश राणा ने की, जबकि मंच संचालन सचिव ओम प्रकाश लोट ने संभाला। धरने को संबोधित करते हुए

इकाई प्रधान नरेश राणा और जिला प्रधान विजय ढाका ने बताया कि सरकार द्वारा मांगों पर कोई लिखित पत्र जारी न करने के विरोध में हड़ताल को 11 अगस्त तक जारी रखने का फैसला लिया गया है।



फतेहाबाद। नगरपरिषद कार्यालय में धरना देते हड़ताली सफाई कर्मचारी।

चार दिनों से सड़ रहा कचरा, बढ़ी बीमारियां

चार दिनों से लगातार सफाई न होने के कारण शहर के मुख्य बाजारों, व्यस्त चौराहों और रिहायशी कॉलोनियों में जगह-जगह कूड़े के पहाड़ लग चुके हैं। ऊपर से हो रही बारिश के कारण कचरे में सड़ांध पैदा हो गई है, जिससे उठ रही बदबू से आसपास के

निवासियों और राहगीरों का सांस लेना दूभर हो गया है। महामारी फैलने का अंदेशा जताते हुए स्थानीय नागरिकों में भारी रोष है, वहीं कर्मचारी नेताओं के बाद अह जिले में मानसून की सक्रियता घटने के आसार हैं। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 10 अगस्त के बाद मानसून ट्रफ के दक्षिण की ओर खिसकने से बारिश में कमी आएगी। हालांकि सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।



फतेहाबाद। शहर में हुई बरसात।

फोटो: हरिभूमि

10 के बाद मानसून होगा कमजोर और बारिश की घटेगी सक्रियता

■ दूसरे दिन भी बदला मौसम का मिजाज, दोपहर बाद बादल छाए, बूंदबांदी से राहत

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

जिले में मानसून की सक्रियता के चलते रविवार को लगातार दूसरे दिन मौसम का मिजाज बदला रहा। दोपहर बाद आसमान में बादल छा गए और कई क्षेत्रों में रुक-रुककर हल्की बूंदबांदी होती रही। इससे उसम और गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली। इससे पहले शनिवार को टोहाना में करीब 60 एमएम और फतेहाबाद में 12 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। दो दिन से बारिश के बने माहौल के बाद अब जिले में मानसून की सक्रियता घटने के आसार हैं। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार 10 अगस्त के बाद मानसून ट्रफ के दक्षिण की ओर खिसकने से बारिश में कमी आएगी। हालांकि सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण की ओर खिसकेगा मानसून

चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने 8 अगस्त को जारी पूर्वानुमान में बताया कि मानसून ट्रफ की उत्तरी सीमा अनुपमंड, दिल्ली, सीधी और दीघा से होती हुई उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है। विभाग के अनुसार 11 और 12 अगस्त को प्रदेश में आंशिक बादल छाए रहने तथा कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार मानसून ट्रफ के 10 अगस्त के बाद दक्षिण की ओर थोड़ा नीचे जाने से बारिश की सक्रियता में कमी आने की संभावना है।

धान की फसल को फायदा
बारिश से धान के खेतों में नमी बढ़ी है। इससे किसानों को कुछ समय के लिए ट्र्यूवेल वॉटरकॉर सिंचाई करने से राहत मिलेगी। खेतों में पर्याप्त नमी रहने से धान की बढ़वार को भी फायदा मिलने की उम्मीद है।

साँफटवेयर चोरी कर बनाए हूबहू मेडिकल प्रोडक्ट

■ फतेहाबाद कोर्ट के आदेश पर 6 पूर्व कर्मचारियों पर एफआईआर दर्ज

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

जिले के भद्र क्षेत्र गांव किरदान स्थित फोरमोस्ट मॉडेटेक प्राइवेट लिमिटेड का गोपनीय डेटा, साँफ्टवेयर, सोर्स कोड और डिजाइन फाइलें चुराकर बाजार में हूबहू मेडिकल प्रॉडक्ट उतारने का बड़ा मामला सामने आया है। कंपनी की शिकायत पर कार्रवाई न होने पर मामला अदालत पहुंचा, जिसके बाद फतेहाबाद कोर्ट के कड़े रुख को देखते हुए भद्र कलां थाना पुलिस ने रविवार को कंपनी के 6 पूर्व कर्मचारियों के खिलाफ धारा 11

13 लाख रुपये में बेचा गोपनीय डेटा

जांच में सामने आया कि आरोपी पूर्व कर्मचारी अभिषेक कुमार ने कंपनी का गोपनीय डेटा, साँफ्टवेयर, सोर्स कोड, डिजाइन फाइलें और ट्रेड सीक्रेट्स पेन ड्राइव में चोरी किए। आरोप है कि अभिषेक ने यह सीक्रेट डेटा करीब 13 लाख रुपये में मुकेश कुमार और अश्वनी कुमार को बेच दिया। इतनी जल्दी वॉट्सएप जैसे जटिल उपकरणों का नया साँफ्टवेयर बनाना असंभव था, जिससे डेटा चोरी की पुष्टि हुई। इस पर उन्होंने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी। अब पुलिस ने इस मामले में इन 6 पूर्व कर्मचारियों पर बिहार के सिवान जिले के गांव बंगरा निवासी अभिषेक कुमार, पानीपत निवासी सख्नी कुमार, गुरुग्राम के मुकेश कुमार, दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली निवासी दीपक, गुरुग्राम के जिले सिंह व अश्वनी कुमार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी दिल्ली, गुरुग्राम, पानीपत और बिहार के रहने वाले हैं। पुलिस को दी शिकायत में कंपनी के मैनेजर ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी कंपनी आईसीयू

सीएम विडो से नहीं मिली राहत, तो कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

कंपनी प्रबंधन ने सबसे पहले 6 अप्रैल को भद्र कलां थाने में शिकायत दी थी। पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने पर सीएम विडो पर भी गुहार लगाई गई। जब कहीं सुनवाई नहीं हुई, तो जुलाई में कंपनी ने फतेहाबाद कोर्ट में परिवाद दायर किया।

उनको कंपनी जैसा ही हूबहू सामान बिक रहा है। मेडिटेक और मुकेश कुमार ने बेशर्कस सिस्टम नाम से नई कंपनियां बनाकर फोरमोस्ट मेडिटेक के पेटेंट प्रॉडक्ट्स बेचना शुरू कर दिया।

फर्जी बिल और नोटिस के जरिए ठगी का नया पैतरा, रहें सावधान : एसपी

हरिभूमि न्यूज ►फतेहाबाद

स्मार्टफोन और कंप्यूटर के बढ़ते उपयोग के बीच साइबर ठगों ने ठगी का नया तरीका खोज निकाला है। अब अज्ञात जिप फाइलों के जरिए मोबाइल-लैपटॉपों को हैक कर डेटा चोरी और वित्तीय धोखाधड़ी की वारदातें सामने आ रही हैं। इस खतरे को देखते हुए फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक निंदिका खट्टर ने आमजन की सुरक्षा के लिए विशेष साइबर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को आकर्षित या भ्रमित करने के लिए फर्जी बिजली बिल, बैंक दस्तावेज, सरकारी



एसपी निंदिका खट्टर।

नोटिस, कूरियर पार्सल ट्रैकिंग, नौकरी के लेटर या लुभावने ऑफर्स के नाम पर जिप फाइलें भेज रहे हैं। इन फाइलों के अंदर खतरनाक मैलवेयर या वायरस छिपे होते हैं। जैसे ही कोई यूजर इस फाइल को डाउनलोड कर खोलता है, साइबर ठगों को उनके डिवाइस का एक्सेस मिल जाता है।

दिन के दूसरे शुभ मुहूर्त भी जानिए

- बहम मुहूर्त : सुबह 4:28 से 5:12 बजे तक
- राखी बांधने का शुभ समय : सुबह 5:57 से 9:48 बजे तक
- अभिजित मुहूर्त : सुबह 11:56 से दोपहर 12:48 बजे तक
- अमृत काल : शाम 7:44 से रात 9:23 बजे तक

27 अगस्त को पूर्णिमा शुरू, इसलिए हुआ अम

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार रक्षाबंधन सावन पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। इस बार पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त की सुबह 9:08 बजे शुरू होगी। इसका समाज 28 अगस्त की सुबह 9:48 बजे होगा। चूंकि 28 अगस्त को सूर्योदय के समय पूर्णिमा तिथि विद्यमान रहेगी, इसलिए उदया तिथि के आधार पर रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। यही वजह है कि 27 और 28 अगस्त को लेकर लोगों के बीच अम बना हुआ है।

रक्षाबंधन की पूरी टाइमलाइन

- 27 अगस्त सुबह 9:08 बजे : श्रावण पूर्णिमा तिथि शुरू
- 28 अगस्त सुबह 5:57 बजे : राखी बांधने का शुभ समय शुरू
- 28 अगस्त सुबह 6:55 बजे : चंद्र ग्रहण शुरू होने का समय
- 28 अगस्त सुबह 9:48 बजे : पूर्णिमा तिथि समाप्त
- 28 अगस्त दोपहर 12:30 बजे : चंद्र ग्रहण समाप्त होने का समय



कहानी

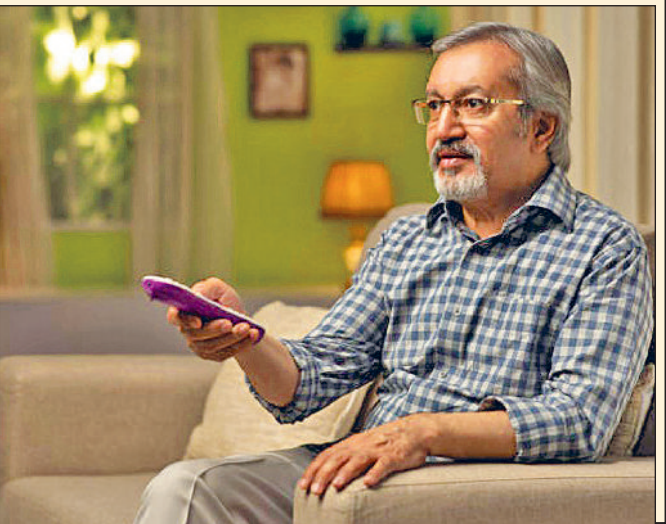
डॉ. सुरेश वशिष्ठ

रात के आखिरी पहर में उठकर बैठ जाता हूं। बिस्तर पर पूरी रात करवटें ही बदलता रहा। दिन में कुछ देर सो भी जाऊं तो रात में जागना पड़ता है। सोने की कोशिश भी की जाए तो नींद नहीं आती। अक्सर टीवी खोलकर देखने लगता हूं। खबरें सुन लूं तो दिल कांपने लगता है। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के आंकड़े दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। हर चैनल उसे बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने लगा है। कोरोना संक्रमण या सीमा पर पाकिस्तान द्वारा सीजफायर का उल्लंघन। बल्चिस्तान और सिंध में पाकिस्तानी सेना द्वारा बर्बरता। आज, यही सब देखने को रह गया है। दिमाग में जब इतनी हलचल चल रही हो तो नींद कैसे आ पाएगी और चित्त कैसे स्थिर रह सकेगा। कोरोना वायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है। ना अपने मुल्क में ना विदेश में। सरकारें इस महामारी में जितना कर सकती हैं, कर रही हैं। अपने वतन की स्थिति को भांपकर सांसें थमने लगी हैं। इस समय रात के तीन या चार बज रहे होंगे, सोचा- 'किसी फिल्म पर मन लगाऊं या कोई और सीरियल देखूं। मन कुछ तो हल्का होगा।' टीवी का स्विच ऑन किया। चैनल बदलते-बदलते फिर किसी न्यूज़ पर अंगुली अटक गई। दो खबरें मन को काफी परेशान करने वाली थी। एक तो यह कि 'पाकिस्तान में जेहादियों को कोरोना वायरस देकर सीमा में घुसा दिया जाए।' इसकी योजना वहां की फौज और सरकारें मिलकर बना रही थीं। इसका खुलासा किसी एक जिहादी और उसके पिता की फोन पर हुई वार्ता से उजागर हुआ था। न्यूज़ परोसी जाने लगी थी और लोग बहुत ध्यान देकर उसे सुन भी रहे थे। उच्छवास को फूंक से उड़ते हुए मन ने कहा- 'यह सब कारोबारियों का धंधा तो नहीं?' लेकिन कैसे....धंधा कैसे होगा? वह मानव-बम बनकर दूसरों को मारता है और खुद भी बहतर हूयों को प्राप्त होता है। उसके शरीर की चिंदियां धुएं के गुब्बार सी बिखर जाती हैं। यह कैसी राजनीति पसर गई है? लोगों को धर्म की गृहार देकर, उन्हें गुस्सेल बनाकर मरने के लिए छोड़ देना।... और वह मरता है, मारता है। पलभर में पूरी रात बीत गई।

सुबह हुई, लेकिन अशांत दिल और दिमाग खाली नहीं हो सका। अगले रोज भी आंखों में नींद की खुमारी थी। फिर भी उठा, कुल्हा-चतुन किया और टहलने के लिए बालकनी में जा पहुंचा। वहीं पर छोटी बहू चाय का प्याला दे गई। टीवी में परोसे जाने वाले सीन मन को आहत करते रहे। अनजानी कोई शंका दिमाग में घुस गई थी। इतने दिनों से बाहर नहीं जा सका, रिश्तेदारों से नहीं मिला और ना घूमने ही निकल पाया हूं। किसी लाइब्रेरी में भी नहीं गया हूं। गांव जाना चाहते हुए भी जा नहीं सका हूं। पत्नी के फोन की घंटी बजी, दूसरी तरफ गाड़ियां साफ करने वाले रामकरण की आवाज थी। वह सुबह-सुबह ही आ धमकता है। मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी,

धुएं के गुबार

मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी, आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं, आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है।'

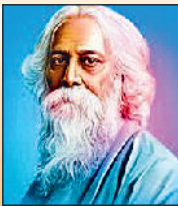


आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है। आटा, दाल, चावल का एक दाना तक घर में नहीं है।' दीनता से भरी उसकी आवाज हृदय में तीर सी चुभने लगी थी। मैंने आवाज देकर मिसेज को अन्दर बुला लिया और कहा - 'बुला लो उसे, दो हजार बनते हैं लेकिन कुछ ज्यादा ही दे देना, उसे भी ऐसे दिन तो निकालने ही होंगे। पैसे घर में नहीं हैं तो निकाल लाओ। हमारा बसर जैसे भी होगा, उसका भी होना ही चाहिए।' पत्नी ने उसे हिम्मत दी और शाम को आने के लिए कह दिया। वह बोली- 'शाम को आकर पैसे ले जाना और चिंता नहीं करना। कुछ और जरूरत भी है तो कहना।' वह थोड़ा आश्चर्य हुआ और चला गया। मिसेज बता रही थी कि उसके चेहरे पर खुशी के भाव जाग उठे थे। ऐसे कठिन समय सभी एक-दूजे की सहायता कर रहे थे।

आपदा देखी तो वतन उठ खड़ा हुआ था। आज ऐसा सभी जगह देखा और सुना जा रहा था। पड़ोसी देश की तस्वीर पर से धुंध भी साफ हुई थी। उसके कारनामों और उसकी नियत पर पूरे विश्व को शंका हो चली थी। खुलकर चीन पर लोगों की उंगलियां उठने लगी थीं। यह उसी की करनी है, कहा यही जा रहा था कि वहीं से इस वायरस ने जन्म लिया है। उनका सब ठीक भी हो गया, लेकिन विश्व पराजित होने लगा था। पिछले कुछ दिनों से यही सब सुना जाता रहा है कि चीन ने स्वयं को संभाल लिया लेकिन पूरी मानव जाति को इस महामारी में धकेल दिया है। मरकज से निकले लोग पूरे देश में फैल गए। इसके पीछे किसकी क्या

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविद्रिनाथ टैगोर



मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया।

पुरानी बात है, मेरे तीन बच्चे काफी छोटे थे। यही दो साल, चार साल और आठ साल, उन दिनों मेरा निवास फरीदाबाद में था। पड़ोस में एक मदरसा था, बच्चे वहां मौलवी से पढ़ने आते थे। शिक्षक होने के नाते मेरे मन में विचार जागा- 'क्यों न अपने बच्चों को भी उर्दू विषय पढ़ाया जाए? हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के साथ एक और विषय जान लेंगे तो बुराई क्या है?' और मैंने मौलवी से कहा- 'हमारे तीन लड़कों को भी उर्दू पढ़ा दिया करो।' 'नहीं, यह संभव नहीं।

हमारे यहां तो मुस्लिम बच्चे ही पढ़ने आते हैं।' मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया। उसके चेहरे का रंग बदलने लगा। थोड़ा झेंपकर मौलवी साहब हमें लगे- 'अरे मास्टर साहब, मैं कायदा इन्हें दे देता हूं, आप घर पर ही इन्हें पढ़ा दिया करें। मदरसे में इनका आना ठीक नहीं होगा।' उसने मुझे तीन कायदे दिए लेकिन मदरसे में हिन्दू बच्चों को वह पढ़ाने को राजी नहीं हुआ। उस रोज के बाद मैंने महसूस किया कि वह मुझसे दूरी बनाने लगा था। मुझसे कन्नी कांटने लगा था। कई बार मन में विचार भी जागा कि क्यों ये लोग मदरसे में हमें आने से रोकते हैं? यहां गौर करने लायक यह था कि दूसरे धर्म के लोगों की नजरों से, मदरसे की गतिविधियों में ये दूर ही रखना चाहते हैं। आखिर वहां कैसी विचारधारा परोसने में ये लोग लगे हुए हैं? अमन और शांति से जीवन को चलाने की क्यों नहीं सोचते, क्यों आस्तीनों में सांप हैं और क्यों दिलों में दूरियां हैं।

...अरे भाई, फनों से उगल दो जहर और शान्तचित्त निगाहें फेर लो और देखो--सुनहली सुबह सबके लिए आभामय होगी। उस सुबह के पलना को फैलने दो और मूंदकर आंखें वतन की हरियाली को महसूस करो। यही हमारी संस्कृति और संस्कार है। खैर!रात जैसे भी नींद आई, नहीं आई, सुबह बिस्तर से उठ खड़ा हुआ। गली में किसी सब्जी बेचने वाले की आवाज सुनकर बालकनी में आकर खड़ा हो गया। पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे। गली में आदमी नहीं था। उसकी आवाज सुनकर, सब्जी खरीदने के लिए पत्नी घर से बाहर निकली। दाम-दमड़ी पूछा और आलू-प्याज तुलवा लिए। उचित काफसला तो रखना ही था, सो सब्जी वाले से पत्नी ने कहा- 'थैले में डालकर गेट के अंदर इसे रख दो, मैं पैसे लेकर आती हूं, यहीं से पैसे भी उठा लेना।' तभी, बराबर के मकान की बालकनी पर पड़ोसन आई। सब्जी वाले को उसने देखा तो दूर से ही चिल्लाकर पत्नी से कहने लगी- 'बहन जी, इनसे सब्जी नहीं लेना,मुसलमान है। शूक लगा कर लाया होगा।'

पड़ोसन की बात पर सभी चौंक पड़े। उसी चिल्लाहट में सब्जी वाले को पड़ोसन ने कहा- 'भाग यहां से, तुम्हारा भरोसा क्या?'

कवि कॉर्नर	
कविता	भृपसिंह भारती
तिरंगा गीत	

सबसे प्यारा ध्वज तिरंगा, नील गगन में लहराए।
सकता है अमिमान तिरंगा, झूठ पर बलि-बलि जाए॥

तीन रंग का संगम न्यारा, तभी तिरंगा कहलाए,
चक्र बीच में सजा जो, चलना हमको सिखलाए,
मनभावान रूप है इसका, ये सबके मन को भाये।

सबसे ऊपर है केसरिया, भाव जगाए बलिदानी,
आन, बान, सम्मान तिरंगा, चलते लेकटर सेनानी,
झंसे देख पाग रंग में उठते, हम झुंझ पर जान लुटाए।

श्वेत रंग है बीच तिरंगा, शांति सीख सिखलाए,
वैरभाव दो खेड़ समी तुम, सम्भाव हृदय बसाता,
सत्य, अहिंसा पर चलना है, सार यही बतलाए।

हरा रंग है सबसे नीचे, यह प्रतीक हरियाली का,
रोज मौन हो देश मेरे में, यही रंग खुशहाली का,
विश्व विजयी तिरंगा प्यारा, ये गीत 'भारती' गाए।

कविता	मनीषा मंजरी
अपूर्णता का आकाश	

धूप-छांव से परे हरे मैदानों ने,
कभी तो मौसम नया पाया होगा,
दिन और रात की कश्मकश से दूर,
क्षितिज ने रंग नया दिखाया होगा।
पूर्णता के क्षम को कभी तो
नवजीवन ने आग लगाया होगा,
अपूर्ण क्षणों की मृगतृष्णा ने,
दासता से स्वयं को बचाया होगा।
कभी बहारों के गलियारों ने भी,
किसी बाग में पतझड़ बरपाया होगा,
बारिशें ठहरी होंगी शहर में,
और प्यासों ने अश्रु को बहया होगा।
भाग रही थीं राहें गुपचुप,
क्या कदमों ने शोर मचाया होगा,
कारवां या अजनबियों का क्या
अपनेपन की कस्तूरी ने मन भरमाया होगा।
शह की ज़िद ने, दलती शाम से
दिल को लगाया होगा,
मिलकर बिछड़ने का दर्द,
आसमान ने फिर समझाया होगा।
स्वाभाव फैले थे अनगिनत पर,
क्या चुनने की हिम्मत ने हाथ बढ़ाया होगा,
टुकड़ों की चुमन ने लहू के रंग
को भी तो तड़पाया होगा।
स्वच्छंद हुईं उड़ानें पर पंखों ने भी तो
जोड़ लगाया होगा,
ऊंचाइयों की चाहतों ने ही तो,
जंजीरों से अस्तित्व छुड़ाया होगा।
चुनाव में एकांत रहा, पर साथ कभी तो
सम्मान ने भी आजमाया होगा,
मुस्कान की शायशैया पर संग बैठ, वैराग्य
से मोह लगाया होगा।

सत्य की खोज और व्हाट्सएप के सर्वज्ञानी



व्यंग्य

ज़ही पाठक

मनुष्य में ज्ञान बांटने की इच्छा हमेशा से रही है। पहले कठिनाई यह थी कि ज्ञान बांटने से समान होना पड़ता था। व्हाट्सएप ने यह कठिनाई दूर कर दी है। मेरे एक परिचित हैं। सुबह उठकर गगवान का नाम बाद में लेते हैं, पहले देखते हैं कि रातभर देश में क्या-क्या हो गया। देश में जो वास्तव में हुआ हो, उसमें उनकी विशेष रुचि नहीं है। उनकी रुचि उसमें है जो रात दो बजे किसी दूसरे गुप से उनके गुप में आया है। वे सुबह सात बजे तक जान चुके होते हैं कि चीन क्या करने वाला है, अमेरिका क्यों डर रहा है, जापान ने भारत से क्या सीख लिया है और हल्दी के पानी से कौन-सी बीमारी जुड़ से समान होना वाली है। हमारे यहां किसी बात के सच होने की पुरानी पद्धति बड़ी जटिल थी। दस्तावेज खोजिए, पुस्तक देखिए, जानकार से पूछिए। अब सत्य ने काफी तरक्की कर ली है। यदि कोई बात एक गुप में आए तो संभव है।

दो गुप में आए तो संभावित सत्य है। तीन गुप में आ जाए तो लगभग प्रमाणित है। व्हाट्सएप ने देश में विज्ञानों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाई है। पहले मोटिवले में एक डॉक्टर होता था। अब हर गुप में सात हैं। फर्क इतना है कि असली डॉक्टर मरीज देखकर दवा बताता है और ये बिना मरीज देखे बीमारी भी बता देते हैं, दवा भी और मेडिकल साइंस की साजिश भी। इतिहास विभाग यहां और

हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

भी समझू है। इतिहास की कोई भी घटना लीजिए, व्हाट्सएप के पास उसका वह संस्करण मौजूद है जो इतिहासकारों के पास नहीं है। इतिहासकार की मजबूरी है कि वह प्रमाण खोजता है। व्हाट्सएप इतिहासकार इस बंधन से मुक्त है। वह सीधे उस जगह पहुंचता है जहां प्रमाण पहुंचने में अभी दो-चार शताब्दियां लगेगी। यहां अर्थशास्त्र भी अत्यंत सरल है। पेट्रोल महंगा हो, रुपया गिरे, शेयर बाजार चढ़े या सब्जी महंगी हो, हर आर्थिक घटना को समझाने के लिए एक दाई मिनट का वीडियो उपलब्ध है। वीडियो बनाने वाले

व्यक्ति की आर्थिक योग्यता जानना आवश्यक नहीं। उसका आत्मविश्वास ही उसकी डिग्री है। यहां विश्वविद्यालयों वाली संकीर्णता भी नहीं है। वहां आदमी एक विषय का प्रोफेसर होता है। यहां एक ही व्यक्ति सुबह इतिहासकार, दस बजे चिकित्सक, दोपहर में अर्थशास्त्री, शाम को रक्षा विशेषज्ञ और रात होते-होते संधिधान विशेषज्ञ हो जाता है। रविवार को थोड़ा खाली समय मिले तो अंतरिक्ष विज्ञान भी देख लेता है। इस विश्वविद्यालय का कुलपति गुप एडमिन होता है। उसके पास अकादमिक योग्यता भले न हो, संवैधानिक

शक्तियां पर्याप्त हैं। वह किसी को भी प्रवेश दे सकता है, निष्कासित कर सकता है और सबसे बड़ी बात गुप का नाम बदल सकता है। यहां तथ्य गलत हो सकता है, आदमी कभी गलत नहीं होता। बल्कि जितनी बार उसकी खबर झूठी निकलती है, उतनी ही मजबूती से उसका विश्वास पक्का होता जाता है कि सच को ढबाने की कोई बहुत बड़ी साजिश चल रही है। इस तरह व्हाट्सएप ने मनुष्य को वह दुर्लभ सुविधा दी है जिसमें अज्ञान भी बढ़ता रहता है और आत्मविश्वास भी। दोष केवल व्हाट्सएप का नहीं है। व्हाट्सएप बेचारा वही देता है जिसकी मांग है।

हमें सूचना कम चाहिए, पुष्टि अधिक चाहिए। हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संदेह घटता जाता है। अंततः वह उस ऊंचाई पर पहुंच जाता है, जहां संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

लघु कथा

जीने का हक

गांव में फिर एक घर में शोक हुआ था। लोग इकट्ठा थे... फुसफुसाहटें थीं, बड़ी उम्र की बहुत सी महिलाएं भी वहीं खड़ी थीं।

एक ने कहा, "अब इसे समझाना पड़ेगा" "कैसे रहना है, ये बताना होगा" कुछ औरतें आगे बढ़ीं। तभी दरवाजे पर खड़ी कुसुम ने कहा "रुकिर"



डॉं अंजना गर्ग

कहानीकार

कुसुम आगे बोली, " जब इस गांव में किसी आदमी की पत्नी जाती

है, तो हम उसे कहते हैं— संभल जाओ आगे बढ़ो

"थोड़ा रुककर - "और जब किसी औरत का पति मर जाता है, तो हम उसे सिखाते हैं-

"रुक जाओ बदल जाओ '

" करने में गहरी खामोशी थी। उसने धीरे से विमला का हाथ पकड़ लिया— "आज से न

कोई बदलेगा न कोई रुकेगा"

सबकी सांसें थम-सी गईं। कुसुम ने साफ कहा, "आज से- दुख होगा तो दोनों के लिए

एक जैसा होगा और जीने का हक भी दोनों के लिए एक जैसा होगा।"

कोई कुछ नहीं बोला। कमरे में गहरा सन्नाटा था।

इस बार कोई नियम सुनाने आगे नहीं बढ़ा।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 10 अगस्त 2026

10

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक-राजनीतिक

दस्तावेज है ‘उस पार’



समीक्षक

वंदना कपूर

उपन्यास ‘उस पार’ केवल आतंकवाद पर आधारित कथा नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक विषमता, युवाओं की निराशा, विभाजन की ऐतिहासिक पीड़ा, राष्ट्रवाद, मानवता तथा प्रेम के जटिल संबंधों की पड़ताल करने वाला सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। उपन्यास का सबसे बड़ा गुण यह प्रतीत होता है कि लेखक आतंकवाद को केवल अपराध के रूप में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी परिस्थितियों, वैचारिक शोषण और मानव मन की टूटन के साथ देखने का प्रयास करता है। कहानी में पात्रों के माध्यम से यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या व्यवस्था की विफलताएं भी अपराध की सह-उत्प्रेरक होती हैं। कथाका में प्रेम, संघर्ष, विश्वासघात और राष्ट्रभक्ति समानांतर चलते हैं।



यश भारद्वाज

लेखक

प्रभावशाली, संवादप्रधान तथा सिनेमाई प्रतीत होती है। यही कारण है कि इसके कई दृश्य फिल्मों रूपांतरण की संभावना भी दर्शाते हैं। लेखक भावनात्मक संवादों और नाटकीय परिस्थितियों के माध्यम से पाठक की उत्सुकता बनाए रखने का प्रयास करता है। हालांकि किसी भी ऐसे विषय पर लिखे गए साहित्य का मूल्यांकन अंततः संपूर्ण पाठ पढ़ने के बाद ही निश्चित रूप से किया जा सकता है। केवल प्रचार सामग्री के आधार पर इसकी ऐतिहासिक या तथ्यात्मक शुद्धता का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता। यदि उपन्यास संवेदनशील विषयों को संतुलन, मानवीय दृष्टि और तथ्यपरकता के साथ प्रस्तुत करता है, तो यह समकालीन हिंदी साहित्य में एक विचरोतेजक कृति सिद्ध हो सकती है। समग्रतः ‘उस पार’ एक ऐसा उपन्यास प्रतीत होता है जो केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि पाठक से कठिन प्रश्न पूछता है- युवाओं का भविष्य, व्यवस्था की जिम्मेदारी, आतंकवाद की जड़, इतिहास की प्रतिक्रियाएं और मानवता का मूल्य। यही इसकी सबसे बड़ी साहित्यिक शक्ति दिखाई देती है।

कुछ हटकर

इंटरनेशिप : यूजी-पीजी छात्रों के लिए बेहतरीन करियर



डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

आज के समय में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। कंपनियों ऐसे विद्यार्थियों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास व्यावहारिक ज्ञान, कार्य अनुभव और उद्योग जगत की समझ हो। यही कारण है कि इंटरनेशिप आज प्रत्येक विद्यार्थी के करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। चाहे विद्यार्थी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मीडिया, फार्मेसी, आर्किटेक्चर या किसी अन्य पाठ्यक्रम से संबंधित हो, इंटरनेशिप उन्हें वास्तविक कार्य वातावरण को समझने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

इंटरनेशिप क्यों आवश्यक है?
क्योंکه अनुभव प्राप्त होता है ,
व्यक्तित्व एवं संचार कौशल विकसित होते हैं,
रोजगार के



इन बातों को रखें ध्यान

- कअधिकृत माध्यमों से ही आवेदन करें
- प्रमाण पत्र और वयन पत्र की धैरता जाँचें
- फर्जी या क्षमक प्रस्ताव से सावधान रहें
- अपने विषय और करियर लक्ष्य से संबंधित इंटरनेशिप का चयन करें
- अपना जीवनवृत्त और व्यावसायिक प्रोफाइल व्यवस्थित रखें

किनके लिए है महत्वपूर्ण

- इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक विद्यार्थी
- प्रबंधन एवं कॉमर्स विद्यार्थी
- कंप्यूटर एप्लीकेशन विद्यार्थी
- मीडिया एवं पत्रकारिता विद्यार्थी
- फार्मेसी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के विद्यार्थी
- आर्किटेक्चर एवं डिजाइन विद्यार्थी
- कला एवं मानविकी विषयों के विद्यार्थी

क्या सीखने का प्रयास करें?

- इंटरनेशिप के दौरान समय प्रबंधन
 - टीम के साथ कार्य करना
 - व्यावसायिक संचार कौशल
 - प्रस्तुतीकरण कौशल
 - समस्या समाधान क्षमता
 - तकनीकी और डिजिटल उपकरणों का उपयोग
- इंटरनेशिप केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि स्वयं को उद्योग जगत के लिए तैयार करने का अवसर है।सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

खिलाड़ियों का कोर्ट पर धमाल, राजेंद्रा स्कूल सिरसा की टीम रही उपविजेता

सीबीएसई क्लस्टर बास्केटबॉल में हरियाणा का दबदबा, अंडर-19 व अंडर-17 में हिसार चैंपियन

विजेता टीमों अब राष्ट्रीय स्तर पर करेंगी क्लस्टर

हरिभूमि न्यूज

विश्वास नव शारदा स्कूल में चल रही सीबीएसई क्लस्टर स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। तीन आयु वर्गों में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। अंडर-19 और अंडर-17 आयु वर्ग में हरियाणा की हिंदू पब्लिक स्कूल हिसार की टीम ने क्लस्टर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर-14 आयु वर्ग में हिमाचल प्रदेश की राजलक्ष्मी पब्लिक स्कूल नालागढ़ की टीम चैंपियन बनी। विजेता टीमों अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में क्लस्टर का प्रतिनिधित्व करेंगी। समापन समारोह में समाजसेवी डॉ. सूरज खुराना मुख्य अतिथि रहे। प्राचार्य मुकेश मोगिया और उप-प्राचार्य डॉ. सौरभ खुराना के मार्गदर्शन में विजेता व उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी, पदक और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।अंडर-19 वर्ग में हिंदू पब्लिक स्कूल हिसार ने स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि राजेंद्रा स्कूल सिरसा की टीम उपविजेता रही।



भूना। बास्केटबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीमों को सम्मानित करते अतिथिगण।

गुरदित, हरविंदर और राजवीर व प्रीत कौर बने सर्वश्रेष्ठ एथलीट

हरिभूमि न्यूज

गुमटसर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव ट्रस्ट द्वारा रतिया बाईपास स्थित खेल मैदान में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कों के वर्ग में गुरदित व हरविंदर और लड़कियों के वर्ग में राजवीर कौर व प्रीत कौर को सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जत्येदार दर्शन सिंह और गमदुर सिंह ने किया। कार्यक्रम5म का संचालन कोच व गुमटसर अकादमी के संचालक हरदीप सिंह बोला ने किया। समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथियों और आयोजकों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को मेडल व



रस्साकशी प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। रस्साकशी प्रतियोगिता में गुमटसर अकादमी की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि नहर कॉलोनी की टीम द्वितीय स्थान पर रही। लड़कों का वर्ग में

शॉटपुट ओपन में गुरदित सिंह प्रथम, दीशान द्वितीय तथा मनदीप तृतीय स्थान पर रहे। लॉंग जम्प में हरविंदर चांदी ने पहला, गिनी सिंह ने दूसरा और गुरनूर ने तीसरा स्थान पाया।

स्वास्थ्य पखवाड़े में लगा जांच शिविर निःशुल्क हुई शुगर-बीपी की जांच

हरिभूमि न्यूज

सरबत दा भला संस्था द्वारा अशोक नगर स्थित ब्रह्मकुमारी आश्रम में स्वास्थ्य पखवाड़े के तहत विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संस्था द्वारा संचालित सन्नी ओबेरॉय लैब के टेक्नीशियन प्रेम कंबोज ने पहुंचे हुए लोगों को निःशुल्क शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की। इस स्वास्थ्य पखवाड़े का औपचारिक शुभारंभ महा शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष भवानी सिंह एवं सिटी वेल्फेयर क्लब के अध्यक्ष विनोद अरोड़ा ने किया। कार्यक्रम में सेंटर संचालिका ब्रह्मकुमारी सुशीला बहन तथा बीके मदन ने सभी



फतेहाबाद। शिविर में स्वास्थ्य जांच कराते लोग।

अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भवानी सिंह ने कहा कि संस्था द्वारा संचालित सेवार्थ लैब आम जनता के लिए वरदान साबित हो रही है। यहां बेहद कम दरों पर जांच की

सुविधा मिलने से लोगों के स्वास्थ्य बजट में बड़ी बचत हो रही है। समाज के जरूरतमंद तबके तक विश्वसनीय और सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना संस्था का एक अत्यंत अनुकरणीय प्रयास है।

जिले में चलेगा एनएसओ का विशेष सर्वेक्षण

चयनित गांवों व कस्बों से जुटाए जाएंगे आंकड़े

हरिभूमि न्यूज

भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानि एनएसओ का क्षेत्र में संकार्य प्रभाग अगस्त महीने के दौरान फतेहाबाद जिले में विभिन्न महत्वपूर्ण सर्वेक्षण कर रहा है। इन सर्वेक्षणों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर सटीक नीतियां व योजनाएं बनाने के लिए विश्वसनीय आंकड़े जुटाना है। एनएसओ वर्ष 1950 से लगातार देश भर में परिवारों की आय और आर्थिक प्रतिष्ठानों से इस प्रकार की जानकारी

एकत्र कर रहा है। जिले के गांव चंदड खुर्द, भट्ट कलां और टोहाना में प्रवासन सर्वेक्षण, टोहाना, रतिया, अयालकी और भट्ट में राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण, अहरवां गांव में ऋण एवं निवेश सर्वेक्षण, भट्ट कलां और कुलां में असंगठित सेवा उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण, भट्ट कलां, रतिया और टोहाना में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक सर्वेक्षण किया जाएगा। एनएसओ द्वारा वर्तमान में चलाए जा रहे देशव्यापी राष्ट्रीय घरेलू आय सर्वेक्षण के तहत प्रशिक्षित सर्वेक्षण अधिकारी चयनित घरों में जाकर परिवारों की आय और आर्थिक स्थिति संबंधी जानकारी जुटाएंगे।

नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों का स्वागत भापजा के जिला कार्यालय में कलश वितरण एवं अभिनंदन समारोह

हरिभूमि न्यूज

भूना रोड स्थित भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को कलश वितरण एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले से भाजपा की प्रदेश टीम में नवनि्युक्त हुए पदाधिकारियों का कार्यक्रमताओं द्वारा ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। समारोह में नवनि्युक्त प्रदेश महामंत्री वेद फूलां, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. रविंद्र बलियाला तथा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल के जिला कार्यालय



फतेहाबाद। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता।

पहुंचने पर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और संत शिरोमणि गुरु रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मंच संचालन जिला महामंत्री अशोक जाखड़ एवं विकास ललौता ने

संयुक्त रूप से किया। स्वागत भाषण में जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि फतेहाबाद जिले से एक साथ तीन नेताओं को प्रदेश संगठन में उच्च पद मिलना प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है।

12 मंडलों को सौंपे

समारोह के दौरान संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की पावन जन्मस्थली काशी से लाई गई पवित्र माटी को 12 कलशों में विभाजित कर फतेहाबाद जिले के सभी 12 मंडलों के अध्यक्ष व प्रमारियों को सौंपा गया। यह पवित्र माटी प्रत्येक मंडल के माध्यम से गांव-गांव तक पहुंचाई जाऊंगी। संत गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश वर्ष के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत सभी कार्यकर्ताओं ने सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का जदेश जन्म-जन्म तक पहुंचावे का संकल्प लिया।

इससे जिला संगठन को एक नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

पुलिस ने युवाओं को दिया नशा मुक्ति का संदेश, 6 पीड़ितों का लिया फॉलोअप

हरिभूमि न्यूज

फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जिले में नशे के खिलाफ अभियान जारी है। नशा मुक्ति टीम न केवल युवाओं को जागरूक कर रही है, बल्कि नशे की दलदल में फंसे लोगों का इलाज व काउंसिलिंग कर उन्हें मुख्यधारा में वापस लाने का सराहनीय प्रयास कर रही है। एसआई सुंदर लाल के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में तीन अलग-अलग जागरूकता सेमिनार आयोजित किए। यह सेमिनार कंप्यूटर, सिलाई और महिला ई-



फतेहाबाद। प्रशिक्षण संस्थान में छात्राओं को जागरूक करते एसआई सुंदर लाल।

रिक्षा ट्रेनिंग ले रहीं संधायियों के लिए आयोजित किए गए। इस दौरान टीम ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए प्रशिक्षुओं से अपने परिवार व समाज को

नशामुक्त बनाने में सहयोग की अपील की। जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ नशा मुक्ति टीम ने गांव चिंदड़ और दौरा कर उपचारार्थ 6 नशा पीड़ितों का फॉलोअप लिया।

हरिभूमि न्यूज

भाजपा के प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने के बाद अपने पैतृक गांव फूलां पहुंचे वेद फूलां का ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। उनके गांव पहुंचते ही माहौल उत्सव में बदल गया। ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। स्वागत समारोह में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और संत शिरोमणि गुरु रविदास के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मंच संचालन जिला महामंत्री अशोक जाखड़ एवं विकास ललौता ने



फतेहाबाद। भाजपा के प्रदेश महामंत्री वेद फूलां का स्वागत करते ग्रामवासी।

फूलां को प्रदेश संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने को लेकर खासा उत्साह नजर आया। वेद फूलां के स्वागत के लिए गांव में विशेष अभिनंदन समारोह आयोजित किया

गया था। जैसे ही वे गांव पहुंचे, ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच उन्हें फूल-मालाएं पहनाई और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों और ग्रामीणों ने

भूना में स्वर्ग आश्रम के नजदीक नई पहचान, पाबूजी चौक का लोकार्पण



भूना। नवनिर्मित पाबूजी चौक के लोकार्पण अवसर पर मौजूद अतिथिगण व नायक समाज के लोग।

पसरीजा ने विधिवत पूजा-पाठ में हिस्सा लिया। नायक समाज के लोगों ने चेरपरसन के ससुर मास्टर हरीश चंद्र पसरीजा को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया, वहीं मास्टर पंकज पसरीजा का पटका पहनाकर स्वागत किया गया।नायक

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि पाबूजी चौक के निर्माण से हिसार रोड के मुख्य मार्ग को नई पहचान मिली है। चौक पर स्थापित पाबूजी महाराज की भव्य प्रतिमा समाज की आस्था और गौरव का प्रतीक बनेगी।

अपराध और अराजकता की आग में झुलस रहा हरियाणा: सैलजा

हरिभूमि न्यूज

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। हत्या, लूटपाट, फिरोती और गोलीबारी जैसी घटनाओं ने आम नागरिकों में असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। सरकार को राजनीतिक बयानबाजी और कानून-व्यवस्था बेहतर होने के दावों के बजाय धरातल पर अपराध को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। सैलजा ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इस कदर बढ़ चुके हैं कि वे दिनदहाड़े गंभीर वारदातों को अंजाम देने से भी नहीं

हिचक रहे। फतेहाबाद और पानीपत में भी इस प्रकार की गंभीर आपराधिक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सांसद ने कहा कि कुछ दिन पहले रोहतक में पुलिस थाने के सामने कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर बाइक सवार बदमाशों द्वारा कथित तौर पर ताबड़तोड़ गोलीबारी की घटना सामने आई थी। पुलिस थाने के सामने जनप्रतिनिधि के कार्यालय पर इस तरह की वारदात होना अपने आप में बेहद गंभीर है। जब जनप्रतिनिधि, कांग्रेसी और दुकानदार तक स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं तो आम परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता होना स्वाभाविक है।

एमए ब्रांच में रिकार्ड दुष्प्रस्त करने की मांग

संस्था के सदस्यों ने आरोप लगाया कि उपायुक्त कार्यालय के अधीन आने वाली एमए ब्रांच में भी जिले के स्वतंत्रता सेनानियों का पूर्ण रिकार्ड तक दर्ज नहीं है। इस विषय को लेकर संस्था की ओर से मुख्यमंत्री और उपायुक्त को पत्र भेजा गया है। पत्र में मांग की गई है कि आजादी की लड़ाई में जेल जाने वाले जिले के सभी सेनानियों का रिकार्ड सरकारी अभिलेखों में सही तरीके से दर्ज कराया जाए। साथ ही जिला स्तर और उनके गांवों में स्मारक व प्रतिमाएं स्थापित कर उनकी स्मृतियों को रहेजा जाए। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक रिखपाल तरड़, प्रधान देवेद दहिया, देवा सिंह गुप्ताल, प्रमोद बजाज, भारत गायल, डिपाल चौधरी, पंकज कुक्कड़, अमरजीत मालवा और राजेंद्र सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

जयपुर से दबोचा साइबर ठग छात्रा से ठगो थे हजारों रुपये

हरिभूमि न्यूज

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर एक छात्रा से हजारों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद पुलिस ने राजस्थान के जयपुर से काबू किया है। पकड़ा गया आरोपी सुमन मीणा पुत्र पंथी लाल मीणा मूल रूप से श्री दादू दयाल नगर, कल्याणपुरा, जयपुर का रहने वाला है और वर्तमान में आरोही अपार्टमेंट्स, जयपुर में रह रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 20 हजार रुपये की नकदी बरामद की है। थाना साइबर क्राइम फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गांव

दाणी शेखावाली, दरियापुर, फतेहाबाद की रहने वाली एक छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, ठगों ने सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के जरिए उससे संपर्क किया था। आरोपियों ने उसे एक कंपनी में घर बैठे काम करने पर हर महीने 30 हजार रुपये वेतन देने का लालच दिया। झांसे में लेने के बाद आरोपियों ने कभी रजिस्ट्रेशन फीस, तो कभी असाइगमेंट डिलीवरी और जीएसटी शुल्क के नाम पर अलग-अलग किस्तों में उससे कुल 62 हजार 350 ठगी करवा लिए। जब छात्रा को जमाना अशकास हुआ, तो उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

ग्रामीणों ने कहा- यह पूरे फूलां और क्षेत्र के लिए गौरव का पल

प्रदेश महामंत्री बने वेद फूलां का पैतृक गांव में स्वागत

गांव की मिट्टी और लोगों का आशीर्वाद हमेशा साथ रहा

स्वागत से अभिभूत वेद फूलां ने ग्रामीणों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि फूलां गांव की मिट्टी और यहां के लोगों से उनका विशेष लगाव है। आज वे जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके परिवार के साथ गांव और क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद एवं सहयोग की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों का यह स्नेह और विश्वास उनके लिए किसी सम्मान से कम नहीं है। ग्रामीणों ने कहा कि वेद फूलां को भाजपा प्रदेश संगठन में महामंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे फूलां गांव और क्षेत्र के लिए सम्मान की बात है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि वे संगठन में आजी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। समारोह के दौरान ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं ने उनके साथ मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं।

उत्साह के साथ उनका अभिनंदन किया। गांव के लोगों ने कहा कि लंबे समय बाद उनके गांव के किसी बेटे

को प्रदेश स्तर पर भाजपा संगठन में इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए पुलिस का ‘श्री लेयर’ पहरा, हर रास्ते पर पैनी नजर राइडर, पीसीआर और ईआरवी टीमें लगातार गश्त पर, शिविरों से लेकर चौक-चौराहों तक कड़ी चौकसी



हरिभूमि न्यूज़ ►► फ़तेहाबाद

कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए फतेहाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। एसपी निकिता खट्टर के दिशा-निर्देशन में जिले के कांवड़ मार्गों पर पुलिस बल के साथ राइडर, पीसीआर और ईआरवी टीमें लगातार गश्त कर रही हैं। प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों, कांवड़ सेवा शिविरों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कांवड़ियों की संख्या और यातायात के दबाव के अनुसार पुलिसकर्मियों की तैनाती व व्यवस्था में बदलाव किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।



भूना। लायंस क्लब द्वारा कांवड़ियों की सेवा के लिए लगाया गया शिविर।

श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे लायंस क्लब के सदस्य, जलपान के साथ दी मेडिकल सुविधा

भूना। लायंस क्लब भूना की ओर से कांवड़ियों की सेवा के लिए आठवें मील पर जलपान एवं मेडिकल सहायता शिविर लगाया गया। रविवार को आयोजित शिविर में सैकड़ों कांवड़ियों ने पहुंचकर जलपान किया और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए मेडिकल सुविधा का लाभ उठाया। क्लब सदस्यों ने कांवड़ यात्रियों की सेवा कर सामाजिक सरोकार का संदेश दिया। क्लब प्रधान दिनेश भूटानी के मार्गदर्शन में सामाजिक सरोकार टीम ने शिविर की व्यवस्थाएं संभालीं। सदस्यों ने कांवड़ियों को जलपान करवाने के साथ उनकी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों का भी ध्यान रखा। शिविर में यात्रा के दौरान थकान या अन्य स्वास्थ्य समस्या से परेशान कांवड़ियों को आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। क्लब के सचिव रोहित सेठी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा करना पुण्य का कार्य है। इसी भावना के साथ क्लब की ओर से हर वर्ष सेवा गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा के कार्यों में क्लब सदस्य हमेशा आगे रहते हैं। शिविर में पूर्व प्रधान बंटी कठरिया, पूर्व प्रधान पुनीत भूटानी, पूर्व प्रधान अनिल भूटानी, पूर्व प्रधान परवीन मुंजाल, पूर्व प्रधान अजय मेहता और सनी खुराना सहित क्लब के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

■ शिविर में पूर्व प्रधान सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे

शिविरों के आसपास सुरक्षा कड़ी आपात स्थिति के लिए वाहन तैनात

कांवड़ सेवा शिविरों में भोजन, पेयजल और विश्राम जैसी सुविधाओं को लेकर पुलिस संबंधित आयोजकों व सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के संपर्क में है। शिविरों के आसपास भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जाए।

असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर यातायात व्यवस्था पर भी फोकस

कांवड़ मार्गों पर संदिग्ध गतिविधियों और असामाजिक तत्वों पर पुलिस की विशेष नजर है। थाना व चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं। वहीं, यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए प्रमुख मार्गों और चौराहों पर पुलिस टीमें सक्रिय हैं। पुलिस का फोकस सुरक्षा के साथ-साथ कांवड़ियों और आम राहगीरों के बीच बेहतर यातायात समन्वय बनाए रखने पर है।

एसपी बोली : सुरक्षा के साथ सुविधा भी प्राथमिकता

एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा के साथ उनकी सुविधा भी पुलिस की प्राथमिकता है। सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखने और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि कांवड़ यात्रा के दौरान धैर्य और संयम बनाए रखें, यातायात नियमों का पालन करें और शिवभक्तों के सुरक्षित आवागमन में सहयोग करें।

खबर संक्षेप

अग्रवाल वैश्य समाज की महिला इकाई ने मनाई तीज

सिरसा। अग्रवाल वैश्य समाज की महिला इकाई सिरसा द्वारा तीज का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। महिला इकाई जिलाध्यक्ष अनिरुधा गोयल ने बताया कि तीज का त्योहार भारतीय संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। उत्सव के दौरान मेहंदी, पारंपरिक नृत्य, तीज कवीन प्रतियोगिताएं का आयोजन किया। महिलाओं ने अपने हाथों पर सुंदर-सुंदर मेहंदी रचाई। महिलाओं ने तीज के गानों पर नृत्य किया। सभी ने एक दूसरे को तीज के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नीतू अग्रवाल, पूजा सिंगला, तनु बंसल, विंसी बंसल, सचिव संजोली सिंगला, सह सचिव ज्योति सिंगला, मोनिका गुप्ता, उषा गर्ग, ज्योति अग्रवाल, शिखा बंसल, प्रियंका अग्रवाल, मन्नु मित्तल, किरण गनेरीवाला, खुशबू मित्तल, नीरू लोहिया आदि मौजूद रहीं।

तरकावाली में महाशिव पुराण कथा आज से

चोपटा। क्षेत्र के गांव तरकावाली स्थित शिव मंदिर में 10 अगस्त से सात दिवसीय श्री महाशिव पुराण कथा शुरू होगी। कथा के शुभारंभ से पहले सोमवार को कलश यात्रा निकाली जाएगी। कलश यात्रा दादी गोरी मंदिर से शुरू होगी। इसके बाद यात्रा शिव मंदिर में पहुंचेगी। कथा के आयोजकों ने बताया कि शिव मंदिर में श्री महाशिव पुराण कथा सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक प्रतिदिन होगी। कथा वृंदावन वाले शास्त्री अभिषेक कृष्णा कथा करेंगे। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।



कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत: संतोष

सिरसा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष बैनोवाल ने कहा कि कुछ लोगों को गलतफहमी हो गई है, लेकिन वे यह स्पष्ट जान लें कि पार्टी की असली ताकत उसके कार्यकर्ता हैं। कार्यकर्ताओं के बलबूते ही पार्टी अपना वर्चस्व कायम किए हुए है। बैनोवाल रविवार को कांग्रेस मवन में आयोजित सम्मेलन को संबोधित रही थीं। सम्मेलन के उपरान्त कांग्रेस मवन से भगवान परशुराम चौक तक एक तिरंगा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। संतोष बैनोवाल ने कहा कि वर्ष 1942 में आज ही के दिन महात्मा गांधी के करो या मरो के ऐतिहासिक आह्वान ने देश की आजादी की लड़ाई को गई दिशा। कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की वह मशाल है जिसने देश को लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाया।

चेयरमैन बनने के बाद पहली बार मताना पहुंचे हवा सिंह वर्मा का भव्य स्वागत, सरपंच ने बांधी पगड़ी

फतेहाबाद। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में रेगुलेंटिंग कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन तथा हरियाणा सरकार के नंबर वेलफेयर काउंसिल के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन विभाग के चेयरमैन हवा सिंह वर्मा का गांव मताना पहुंचने पर ग्रामवासियों द्वारा गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। गांव मताना स्थित धर्मपाल निरानिया के निवास स्थान पर आयोजित इस अभिनंदन समारोह की अध्यक्षता सरपंच एडवोकेट दलबीर वर्मा ने की। इस दौरान सरपंच दलबीर वर्मा एवं अन्य



फतेहाबाद। चेयरमैन हवा सिंह वर्मा का स्वागत करते सरपंच दलबीर वर्मा

गणमान्य लोगों ने चेयरमैन हवा सिंह वर्मा को बुके भेंट कर, पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह देकर उनका नागरिक अभिनंदन किया।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर निकाला संकल्प मार्च

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा वर्ष 2016 से हरियाणा प्रदेश के दो लाख कर्मचारियों एवं लगभग 30 लाख उनके परिवारजनों की

■ पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने की नारेबाजी

अधिक व सा मा जि क सुरक्षा के लिए ह रि या ना सरकार से पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर सिरसा में रविवार को संकल्प मार्च निकाला गया। संकल्प मार्च की राज्य प्रधान विजेन्द्र धारीवाल के नेतृत्व में 2 अगस्त से रोहतक से शुरुआत की गई है। पुरानी पेंशन की मांग को बुलंद करने के लिए प्रत्येक



सिरसा। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को संकल्प मार्च निकालते हुए कर्मचारी।

रविवार सभी 22 जिलों में बारी-बारी से ओ पी एस संकल्प मार्च किया जाएगा। विजेन्द्र धारीवाल के साथ राज्य महासचिव भाई ऋषि नैन, राज्य उपप्रधान भाई अनूप लाठर, राज्य कार्यकारिणी अग्रणी सदस्य भाई सुखदीप दुहन एवं राजेश मल्होत्रा तथा राज्य ऑडिटर भाई विजय भूना, जिला हिसार प्रधान

शिकायतों का तुरंत समाधान करें : सुभाष चंद्र

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

डीएसपी सुभाष चंद्र ने रविवार को रानियां थाना परिसर में जांच अधिकारियों के साथ बैठक कर पुलिस कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न

■ डीएसपी ने रानियां थाना में जांच अधिकारियों के साथ की बैठक

माह त्व पू ण म ह त्व पू ण विषयों पर चर्चा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को लंबित मामलों की

जांच में तेजी लाने तथा आमजन से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। डीएसपी ने कहा कि सीएम



सिरसा। डीएसपी ने रानियां थाना में जांच अधिकारियों संग की बैठक।

विंडो, पीएम विंडो तथा महिलाओं के विरुद्ध प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित किया जाए। ऐसी शिकायतों में किसी भी



ट्रस्ट ने विद्यार्थियों को वितरित की स्टेशनरी

सिरसा। बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक वेलफेयर ट्रस्ट सिरसा द्वारा सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय सिरसा के विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। ट्रस्ट द्वारा महाविद्यालय के 100 विद्यार्थियों को 200 रजिस्टर वितरित किए गए। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गुनदीप सैनी ने कहा कि बाबा सरसाईनाथ डिजिटल लाइब्रेरी के अंतर्गत 25 प्रकार की अलग-अलग वेबसाइटों के लिंक प्रदर्शित किए गए हैं। इसमें ई-बस्ता, ई-पाठशाला, निपुण भारत, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी, पाठशाला, शोध गंगा, ई-पुस्तकालय, ई-ज्ञानकोष, गोजेक्ट गुटनबेक, फ्री कंप्यूटर बुक्स, ई-ग्रंथ कोष के लिंक शामिल हैं। इन लिंक के माध्यम से विद्यार्थी कक्षा पहली से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई कर सकते हैं। जल्दतमद विद्यार्थियों के लिए स्कॉलरशिप के 2 लिंक भी दिए गए हैं, जिसके माध्यम से वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। डॉ. सुनील कुमार मेहता ने बताया कि इन लिंक के माध्यम से स्कूल कॉलेज के विभिन्न पाठ्यक्रमों के अलावा विद्यार्थी इंजीनियरिंग, स्पोर्ट, रेलवे, बैंकिंग, एसीक्यूटिव रिसर्च, कंबाइंड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट व विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं।

करं और पीडित को समय पर न्याय दिलाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि थाना में अपनी समस्या लेकर आने वाला प्रत्येक व्यक्ति पुलिस के लिए महत्वपूर्ण है।

फरियादियों के साथ मैत्रीपूर्ण एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाए और उनकी बात ध्यानपूर्वक सुनी जाए। शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई की जाए, ताकि आमजन को पुलिस से सहयोग और न्याय मिलने का भरोसा कायम रहे। डीएसपी ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जांच अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच

सरल केंद्र में लगाई गई प्रदर्शनी, लघु सचिवालय में भी सेलफी प्वाइंट बना

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा सरल केंद्र, सिरसा में प्रदर्शनी लगाई गई है जिसके माध्यम से आमजन और युवाओं को देश के इतिहास व लोकतांत्रिक मूल्यों से स्खरू करवाया जाएगा। इसके अलावा लघु सचिवालय व सरल केंद्र परिसर में सेलफी प्वाइंट भी बनाया गया है। यहां सेलफी लेने वाले नागरिकों को हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड करने के लिए प्रेरित भी किया जाएगा। अन्य जगह घर भी प्रदर्शनी और सेलफी प्वाइंट स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा तिरंगा बाईक-साइकिल रैली, रंगोली, स्कूलों में विविध कार्यक्रम सहित अन्य आयोजन 17 अगस्त तक किए जाएंगे। मुख्य स्थानों को भी तिरंगा लाइटों से सजाया जाएगा।

उत्साहवर्धन भी किया। बच्चों में भी अभियान को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। शिक्षकों और अन्य

गणमान्य ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान से जुड़े नियमों की जानकारी भी दी।

स्कूलों बच्चों और युवाओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

हर घर तिरंगा अभियान, शहर में गूंजे भारत माता के जयकारे

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जिला में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से आमजन में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति भावनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करना है। 17 अगस्त तक चलने वाले अभियान के तहत रविवार को पहले दिन जिला में विभिन्न स्थानों पर तिरंगा यात्राएं और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए,



सिरसा। तिरंगा यात्रा निकालते स्कूली बच्चे।

फोटो: हरिभूमि

जिससे जिला देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। अभियान के तहत रविवार को गांव नेजाडेला खुर्द, किराडकोट, भावदीन, रानिया शहर,

चाडीवाला, जसानिया, नुहियावाली, नाथुसरी कलां, सहाणी, मलड़ी, भीवां, रोहन, बुर्जकमंगड, झीडी, ढाबां, सुरतिषा, जमाल, नागोकी,

सुखचैन, लहंगेवाला, अलीकां, मल्लेवाला, बकरियांवाली, नारायण खेड़ा सहित कई क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम और तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं तथा स्कूली विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रामीणों और स्कूली विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर गांव और प्रमुख मार्गों से तिरंगा यात्रा निकाली। विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विद्यार्थियों का